राष्ट्रदूत चूरू, 20 अक्टूबर, 2015

'शिक्षा में रिसर्च के साथ-साथ उद्योग का समन्वय होना भी आवश्यक'

- इंडस्ट्रीज, एकेडमिया एवं रिसर्च एंड डवलपमेंट में डिस्कशन
- 'जरूरतों को घ्यान में रखकर रिचर्स का फोकस हो'

पिलानी,(निसं)। बिटस पिलानी रसायन विभाग द्वारा आयोजित अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन में इंन्डस्ट्रीज, एकेडमिया एवं रिसर्च एंड डेव्लपमेंट में पैनल डिस्कशन आयोजित हुआ। पैनल डिस्कसन विभिन्न देश-विदेश से आये हुये दिग्गज उद्योगपति एवं शिक्षकों के बीच में हुआ।

पैनल डिस्कसन की पहल निदेशक सीरी पिलानी एवं अपर सचिव भारत सरकार डॉ चन्द्रशेखर ने शिक्षण और उद्योग के बीच तालमेल से की जो कि एक दूसरे के पूरक है तथा बिना एक दूसरे के सहयोग के बिना अधूरे हैं। इन सभी पैनलिस्ट का एक ही मत है कि उद्योग और शिक्षा में संचारव्यवस्था/सम्पर्क की कमी है। शिक्षकगण सिर्फ बेसिक रिसर्च पर घ्यान केन्द्रित करते हैं जबकी उद्योगपतियों का एप्लाईड रिसर्च पर घ्यान केन्द्रित रहता है। जबकी इन सभी को आज के युग के समाज की आवश्यकतानुशार जरूरतो को घ्यान में रख कर रिसर्च का फोकस होना चाहिए जिससे समाज के लोगो की जीवनशैली का विकास हो।

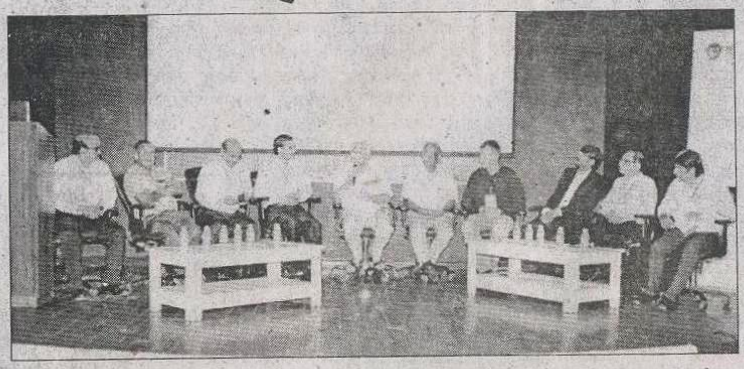

बिट्स पिलानी में रसायन विभाग की ओर से आयोजित अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन में पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया।

शिक्षा में रिसर्च के साथ-साथ उद्योग का सम्मन्वय होना भी अति आवश्यक है। उद्योगो के अनुसार जो वास्तविक रिसर्च की जरूरत है वह शिक्षा द्वारा हाने वाली रिसर्च से भिन्न है जबकी दोनों सम्घनय स्थापित करने के लिए उपयुक्त कमेटी का गठन होना जरूरी है ताकी उनमें सम्वनय स्थापित हो सके। इसके लिए कॉरपरेट सोशल रिस्पोन्सीब्लीटी द्वारा इन्डस्ट्री फंड शिक्षण के लिए ज्यादा से ज्यादा होना चाहिये। इसका एक जीता जागता उदाहरण बिट्स पिलानी परिसर में पिछले चार सदियों से एवं प्रेक्टीस स्कूल डिवीजन का इन्डस्ट्रीज के साथ जो सम्बध है उसका नतीजा अत्यंत फलप्रद रहा है। पैनल डिस्कसन समापन डॉ चन्द्रशेखर ने किया। डॉ वी के दूबे, निदेशक पिलानी रिसर्स सेन्टर द्वारा सभी पैनलिस्ट को मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया तथा अन्त में प्रमुख रसायन विभाग डॉ अनिल कुमार एवं संचालक प्रो. दलीप कुमार द्वारा धन्यवाद प्रेषित किया गया।

राजस्थान पत्रिका .

झुंझुनूं . मंगलवार . 20 अक्टूबर 2015

तालमेल की आवश्यकता

पिलानी. शिक्षा तथा उद्योगों के बीच में तालमेल की कमी है। इस के अभाव में कई बार बेहत्तर शिक्षाविद्दों का ज्ञान उद्योगों तक नहीं पहुंच पाता है। यह कहना है भारत सरकार के अपर सचिव तथा सीरी संस्थान पिलानी के निदेशक डॉ. चन्द्रशेखर का। डॉ. चन्द्रशेखर रविवा को बिट्स पिलानी में आयोजित इंडस्ट्रीज, एकेडमिया एवं रिसर्च डवलपमेंट सम्मेलन के पैनल डिस्कशन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि दोनों के ताल मेल से ही उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप ही रिसर्च होगा।डॉ. चन्द्रशेखर ने उपस्थित वैज्ञानिक तथा उद्योगपतियों से समय तथा समाज की आवश्यकता के अनुसार रिसर्च करने की सलाह दी। पैनल डिस्कशन में आए वैज्ञानिक ,शिक्षक, तथा उद्योगपतियों ने भाग लिया।

सीमा सन्देश

जयपुर. मंगलवार .20.10.2015

क्यू कैम कार्यशाला का आयोजन

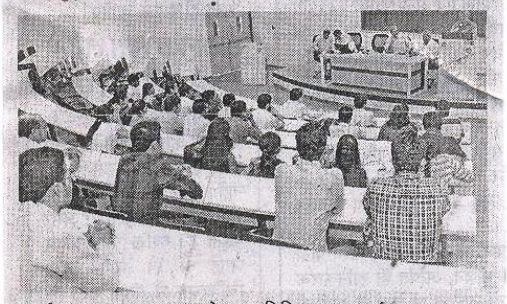

कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए अतिथिगण

पिलानी। क्यू केम सॉफ्टवेयर की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 19 अक्टूबर को किया गया। जिसका शुभारंभ निदेशक बिट्स पिलानी प्रो अशोक कुमार सरकार, क्यू कैम कम्पनी के अध्यक्ष प्रो पिटर गिल, आस्ट्रेलियन नेशनल यूनीवर्स्टी, आस्ट्रेलिया, बिट्स पिलानी प्रशासनीक अधिकारी प्रो एस सी सिवासुब्रमन्यम, विभागाध्यक्ष रसायन विभाग प्रो. अनिल कुमार और क्यू कैम सॉफ्टवेयर डेवलेपर प्रो. प्रशांत उदय मनोहर द्वारा किया।

कार्यशाला में देश विदेश से आये 48 शोधर्थी, प्रोफेसरस सम्मिलित हुये। प्रो पीटर गिल ने क्यू कैम व आई क्यू मोन सॉफ्टवेयर की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवायी।

कार्यशाला के मुख्य अतिथी प्रो सरकार ने सम्मिलित हुये विद्यार्थियों को सॉफ्टवेयर के साथ-साथ साफ्टवेयर के पीछे की वैज्ञानिकता को समझने की आवश्यता पर ध्यान दिया। कार्यशाला के अंत में प्रो मनोहर ने सम्मिलित हुये सभी विद्यार्थियों, प्रोफेसरस व सभी कर्मचारियों को धन्यवाद एवं बधाई दी । और कहा कि भविष्य में भी भारत में क्यूकैम सॉफ्टवेयर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता रहेगा। प्रोफेसर अनिल कुमार ने बताया की किस प्रकार क्यू कैम रसायन विज्ञान अनुसंधान में उपयोगी है।

दैनिक नवज्योति | जयपुर, मंगलवार, 20 अक्टूबर, 2015

शिक्षा और उद्योग के बीच तालमेल को लेकर चर्चा

न्यूज सर्विस/नवज्योति, पिलानी

बिटस पिलानी के रसायन विभाग द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में इंन्डस्ट्रीज, एकेडमिया एवं रिसर्च एंड डेव्लपमेंट में पैनल डिस्कशन रविवार को हुआ ।पैनल डिस्कशन में देश-विदेश से आए उद्योगपति एवं शिक्षकों के बीच में हुआ । पैनल डिस्कशन की पहल निदेशक सीरी पिलानी एवं अपर सचीव भारत सरकार डॉ चन्द्रशेखर ने शिक्षण और उद्योग के बीच तालमेल से की जो कि एक दूसरे के पूरक है तथा बिना एक दूसरे के सहयोग के बिना अधूरे हैं। इन सभी पैनलिस्ट का एक ही मत है कि उद्योग और शिक्षा में संचार व्यवस्था सम्पर्क की कमी है। शिक्षक सिर्फ बेसिक रिसर्च पर ध्यान केन्द्रीत करते हैं जबकि उद्योगपतियों का एप्लाईड रिसर्च पर ध्यान केन्द्रित रहता हैं। उद्योगों के अनुसार जो वास्तविक रिसर्च की जरूरत है वह शिक्षा द्वारा होने वाली रिसर्च से भिन्न है जबकि दोनों सम्वनय स्थापित करने के लिए उपयुक्त कमेटी का गठन होना जरूरी है ताकी उनमें सम्वनय स्थापित हो सके। इसके लिए कॉरपरेट सोशल रेसपोंसिबिलिटी द्वारा इन्डस्ट्री फंड शिक्षण के लिए ज्यादा से ज्यादा होना चाहिए। डॉ वी के दूबे, निदेशक पिलानी रिसोर्स सेन्टर द्वारा सभी पैनलिस्ट को मोमेन्टों देकर सम्मानित किया गया तथा अन्त में प्रमुख रसायन विभाग डॉ अनिल कुमार एवं संचालक प्रो. दलीप कुमार द्वारा धन्यवाद प्रेषित किया गया ।

क्यू कैम पर कार्यशाला : शहर के बिट्स पिलानी आयोजन सोमवार को किया गया। जिसका शुभारंभ निदेशक बिट्स पिलानी प्रो अशोक कुमार सरकार, क्यू कैम कम्पनी के अध्यक्ष प्रो पिटर गिल, आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया, बिट्स पिलानी प्रशासनिक अधिकारी प्रो एस सी सिवासुब्रमन्यम, विभागाध्यक्ष रसायन विभाग प्रो. अनिल कुमार और क्यू कैम सॉफ्टवेयर डेवलेपर प्रो. प्रशांत उदय मनोहर द्वारा किया। कार्यशाला में देश विदेश से आए 48 शोधार्थी, प्रोफेसर सम्मिलित हुए।

सीकर, मंगलवार 20 अक्टूबर, 2015

दैनिक भास्कर

खबरें फटाफट

क्यू केम सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला

पिलानी | बिट्स में सोमवार को क्यू केम सॉफ्टवेयर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि बिट्स निदेशक प्रो. एके सरकार थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि क्यू कैम कंपनी अध्यक्ष प्रो. पीटर गिल, प्रशासनिक अधिकारी प्रो. एससी सिवासुब्रमन्यम, रसायन विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार व क्यू कैम सॉफ्टवेयर डेवलपर प्रो. प्रशांत उदय मनोहर थे। कार्यशाला में देश-विदेश के 48 प्रोफेसर व शोधार्थियों ने भाग लिया। प्रो. पीटर ने क्यू कैम व आई क्यू मोन सॉफ्टवेयर की जानकारी दी। प्रो. अनिल कुमार ने बताया कि क्यू कैम रसायन विज्ञान के अनुसंधान में एक उपयोगी सॉफ्टवेयर है। प्रो. मनोहर ने आभार व्यक्त किया।

आयोजन

बिट्स में कम्यूनिकेशन सिस्टम पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सीरी निदेशक भी रहे मौजूद

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हुई पैनल चर्चा

पिलानी | बिट्स के रसायन शास्त्र विभाग के तत्वावधान में रसायन शास्त्र में होने वाले नए विकास विषय पर हुए तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में रविवार देर शाम पैनल चर्चा हुई। पैनल चर्चा में सीरी निदेशक व अपर सचिव भारत सरकार डॉ. चंद्रशेखर ने शिक्षण संस्था व उद्योग जगत के बीच तालमेल पर चर्चा करते हुए कहा कि ये दोनो एक दूसरे के पूरक हैं। पैनल चर्चा में एनआईआईएसटी त्रिवेंदरम निदेशक डॉ. ए अजय घोष, ग्रासीम इंडस्ट्रीज लिमिटेट के डॉ. उदय अग्रवाल, आईआईएम जम्मू के डॉ. पार्थसारथी दास, सन फार्मासुटिकल कंपनी के डॉ. सीएच खंडूरी, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. अशोकप्रसाद, ऑपरेशन्स जूबिलेंट कैम्स के वीसी डॉ. विकास एस, डॉ. रेडडी लेब के डॉ. राकेश्वर बी, प्रो. जोश एम एल स्पेन, रॉयल सोसायटी ऑफ कैमेस्ट्री के राजेश पी ने भाग लिया। विशेषज्ञ सहमत हुए कि उद्योग व शिक्षा में कम्यूनिकेशन गेप है। शिक्षक केवल आधारभूत अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते है जबकि आज समाज की आवश्यकतानुसार जरुरतो को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान की आवश्यकता है। पीआरसी निदेशक डॉ. वीके दूबे ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अंत में रसायन विभाग अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार व संचालक प्रो. दलीप कुमार ने आभार व्यक्त किया।

पिलानी. पैनल चर्चा में संबोधित करते सीरी निदेशक डॉ. चंद्रशेखर।